ਦਫਤਰ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਰਾਜ ਵਿੱਦਿਅਕ ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ, ਪੰਜਾਬ,
ਬਲਾਕ-ਈ, ਛੇਵੀ ਮੰਜਿਲ, ਪੰਜਾਬ ਸਕੂਲ ਸਿੱਖਿਆ ਬੋਰਡ, ਕੰਪਲੈਕਸ, ਮੋਹਾਲੀ।
ਫੋਨ ਨੰ: 0172-2212221

ਵੱਲ

Revised Letter

ਸੰਬੰਧਤ ਜਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫਸਰ (ਐ.ਸਿ)
ਪੰਜਾਬ ।

ਮੀਮੋ ਨੰ :-KW4/2-1/2017 ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ CCRT/New Delhi/2-2019
ਮਿਤੀ :-10-09-2019

ਹਵਾਲਾ :- ਮੀਮੋ ਨੰ :-KW4/2-1/2017 ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ CCRT/New Delhi/1-2019 ਮਿਤੀ :-09-09-2019 ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ।
ਵਿਸ਼ਾ :- Deputation of 10-10 in-service Teachers for Workshop organized by CCRT.

ਉਪਰੋਕਤ ਵਿਸ਼ੇ ਅਧੀਨ ਸੀ.ਸੀ.ਆਰ.ਟੀ ਵੱਲੋਂ Role of Puppetry in Education ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਲਈ ਸਾਲ 2019-20 ਦੀਆਂ ਸਤੰਬਰ ਮਹੀਨੇ ਦੌਰਾਨ ਟ੍ਰੇਨਿੰਗਾਂ ਲਈ ਜੋ ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਸੀ.ਸੀ.ਆਰ.ਟੀ ਗੁਹਾਟੀ ਵਿਖੇ ਮਿਤੀ 12-09-2019 ਤੋਂ 27-09-2019 ਤੱਕ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਕਿਸੇ ਕਾਰਨ ਕਰਕੇ ਇਸ ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ ਸ਼ੈਡਿਊਲ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਕਰਕੇ ਨਵੇਂ ਸਮੇ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਬਾਰੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਵਧੇਰੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸੂਚਿਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਜਦੋ ਕਿ ਸੀ.ਸੀ.ਆਰ.ਟੀ ਉਦੇਪੁਰ, ਰਾਜਸਥਾਨ ਲਈ ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ ਉਸੇ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਤੇ ਹੋਵੇਗੀ। ਜਿਸ ਦੇ ਵੇਰਵੇ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ :-

1 ਸੀ.ਆਰ.ਟੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਉਦੇਪੁਰ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ

ਸਮਾਂ	16 September to 30 September 2019	ਸਥਾਨ	CCRT Regional Centre, 3-B, Ambavgarh, Swaroop Sagar, Udaipur, Rajasthan

ਲੜੀ ਨੰ	ਜਿਲ੍ਹੇ ਦਾ ਨਾਂ	ਨਾਮ	ਅਹੁਦਾ	ਸਕੂਲ ਦਾ ਨਾਂ
1	ਹੁਸਿਆਰਪੁਰ	ਪਰਦੀਪ ਸਿੰਘ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਝੜਿੰਗ
2	ਫਾਜਿਲਕਾ	ਗੁਰਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਝੁੱਗੇ ਜਵਾਹਰ ਸਿੰਘ
3	ਫਾਜਿਲਕਾ	ਪੰਕਜ ਕੰਬੋਜ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਪ੍ਰਭਾਤ ਸਿੰਘ ਵਾਲਾ ਉਤਾੜ
4	ਕਪੂਰਥਲਾ	ਸੁਖਮਿੰਦਰ ਸਿੰਘ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਸੁਰਖਪੁਰ
5	ਮਾਨਸਾ	ਗੁਰਨੈਬ ਸਿੰਘ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਮਘਾਣੀਆਂ
6	ਫਤਿਹਗੜ੍ਹ ਸਾਹਿਬ	ਅਵਦੇਸ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਅਜਨਾਲੀ
7	ਬਠਿੰਡਾ	ਸੰਦੀਪ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਗੈਹਰੀ ਬੁੱਟਰ ਕਲੌਨੀ
8	ਫਾਜਿਲਕਾ	ਗੋਪਾਲ	ਈ.ਟੀ.ਟੀ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਨਾਨਕ ਨਗਰੀ
9	ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ	ਦਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ	ਸੈਂਟਰ ਹੈੱਡ ਟੀਚਰ	ਸ.ਪ.ਸ. ਢੇਲਪੁਰ
10	ਹੁਸਿਆਰਪੁਰ	ਸੋਹਣ ਸਿੰਘ	ਮੁੱਖ ਅਧਿਆਪਕ	ਸ.ਪ.ਸ. ਬਹਾਦਰਪੁਰ ਬਾਹੀਆ

ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਐਸ.ਸੀ.ਈ.ਆਰ.ਟੀ.,
ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ,ਪੰਜਾਬ

ਪਿ.ਅੰ.ਨੰ : ਉਕਤ ਮਿਤੀ :

ਉਤਾਰਾ ਡਿਪਟੀ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸੀ.ਸੀ.ਆਰ.ਟੀ ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਵੰਦਨਾ ਚੋਹਾਨ ਨੂੰ ਸੂਚਨਾਂ ਹਿੱਤ ਭੇਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ (ਟ੍ਰੇਨਿੰਗ-2)
ਐਸ.ਸੀ.ਈ.ਆਰ.ਟੀ.,ਪੰਜਾਬ

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

सामान्य निर्देश

"शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" विषय पर कार्यशाला

1. **कार्यशाला 52 वर्ष से कम आयु तक के सरकारी/ सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के सेवारत अध्यापकों के लिए है। जो कक्षा 1 से 5 तक पढाते हों। जन्मतिथि का प्रमाण पत्र पंजीकरण के समय संलग्न करना अनिवार्य है।**

2. **लम्बी कार्य–अवधि को ध्यान में रखते हुए आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप स्वस्थ होने पर ही कार्यशाला में भाग लें।**

3. यदि आपने पहले कभी सीसीआरटी द्वारा "शिक्षा हेतु पुतली कला पाठ्यक्रम/शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" विषय पर दिल्ली या अन्य किसी प्रदेश में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया है, तो आप इस कार्यशाला में भाग नहीं ले सकते।

4. आप इस कार्यशाला में उपस्थित न हों, यदि आप अनुबन्ध या अस्थाई आधार जैसे–शिक्षा कर्मी, शिक्षा बंधु, शिक्षा मित्र, संविधा शिक्षक आदि के रूप में कार्य करते हैं।

5. **किसी भी परिस्थिति में कार्यशाला में प्रतिनियुक्ति होने वाले अध्यापक अपने साथ कोई संरक्षक/परिवार का सदस्य लेकर न आएं।**

6. देश के सभी भागों से कार्यशाला में भाग लेने आए प्रतिभागियों के लाभार्थ व्याख्यान अंग्रेजी/हिन्दी में दिए जाएंगे, अतः प्रतिभागियों को अंग्रेजी/ हिन्दी भाषा की समझ और ज्ञान का होना आवश्यक है।

7. यदि आप इस पत्र में दिए नियम व शर्तों को पूरा नहीं करते हैं, तो इस पत्र को निरस्त (रद्द) मानिए, यदि फिर भी आप कार्यशाला में भाग लेने के लिए आते हैं तो सीसीआरटी द्वारा आपको किसी प्रकार का कोई यात्रा/दैनिक भत्ता प्रदान नहीं किया जाएगा।

8. इस कार्यशाला में आपके चयन के बारे में संबंधित राज्य शिक्षा विभाग को आवश्यक निर्देश एवं समय पर कार्यमुक्त करने के अनुरोध सहित सूचित किया जा रहा है तथा आपको शीघ्र कार्यमुक्त करने हेतु प्रधानध्यापक/प्रधानाचार्य को भी इस पत्र की प्रति प्रेषित की जा रही है।

9. चूंकि यह विभिन्न राज्यों से आने वाले अध्यापकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे के साथ अनुभवों का आदान–प्रदान करने और एक साथ कार्य करने का अच्छा अवसर होगा, अतः यदि संभव हो तो आप अपने राज्य/संघ शासित प्रदेश की परम्परागत पुतलियां साथ लेकर आएं जिन्हें कार्यशाला के पश्चात् वापस दे दिया जाएगा।

10. कार्यशाला में भाग लेने वाले अध्यापकों को अपना सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया जाएगा। अतः उनसे अनुरोध है कि वे अपने साथ वेशभूषाएं, लोक गीतों, नृत्यो के रंग पटल और सांस्कृतिक महत्व की ऐसी वस्तुएं लेकर आएं जिन्हें कार्यशाला के दौरान अन्य राज्य/संघ शासित प्रदेशों सें आए अपने साथियों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं।

11. चूंकि कम समय में सुनिश्चित वापिसी टिकट मिलना कठिन हो जाता है, अतः कार्यशाला में भाग लेने वाले अध्यापकों को हम यह भी सुझाव देना चाहेंगे कि वे अपने प्रमुख स्थान से अपना "वापिसी" आरक्षण करवाएं।

Centre for Cultural Resources and Training
New Delhi

General Instructions

Workshop on "Role of Puppetry in Education"

I. **The teachers should below the age of 52 years. (It is essential to give proof of Date of Birth at the time of Registration.)**

II. **The Workshop is for in-service Govt./Govt. aided school teachers teaching classes I to V.**

III. *Keeping in mind the long working hours, it is presumed that you will attend only if your health permits.*

IV. *You should not attend this Workshop, if you have previously attended a Course on "Puppetry for Education/Workshop on "Role of Puppetry in Education" organized by CCRT either at Delhi or in any other region.*

V. *You should not attend this Workshop, if you are working as a contractual or Temporary Teacher like Shiksha-Karmi, Shiksha-Bandhu, Shiksha-Mitr, Education Friend, Teacher Facilitator, Sanvidha Shikshak, etc.*

VI. **Due to paucity of space, you are requested not to bring any escort/family member with you as they will not be allowed to stay in the hostel under any circumstance.**

VII. *The lectures will be delivered in English for the benefit of the teachers participating from all parts of the country. Therefore, an understanding and knowledge of English is essential.*

VIII. *In case you do not fulfill the terms and conditions of this letter, please treat this letter as cancelled and withdrawn and even if you come to attend the workshop, no TA/DA will be paid to you by the CCRT.*

IX. *Your selection in this workshop has been intimated to your concerned State Education Department, with the request to issue necessary instructions to relieve you in time. To expedite your relieving, a copy of the selection letter is also being sent to your Headmaster/Headmistress/Principal.*

X. *As this will be a good opportunity for teachers from different States/UT's to stay together, interact with each other and share a common platform the teacher should bring some of the traditional puppets of their region, if possible, which will be returned to them after the workshop.*

XI. *You will also be given an opportunity to present your regional cultural programmes. Hence, you are requested to bring costumes, repertoire of folk songs, dances and other important items of cultural value which you would like to share with your colleagues from other States/UT's during the Workshop.*

XII. *Since it is difficult to get the confirmed return reservation in a short time, we suggest you to make your return reservation from your headquarter beforehand.*

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
नई दिल्ली

कृपया "शिक्षा में पुतली कला की भूमिका" विषय पर कार्यशाला में अध्यापकों की प्रतिनियुक्ति करते समय निम्नलिखित पहलुओं को ध्यान में रखें:

1. कार्यशाला 52 वर्ष से कम आयु तक के सरकारी / सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के सेवारत अध्यापकों के लिए है। जो कक्षा 1 से 5 तक पढाते हों। जन्मतिथि का प्रमाण पत्र पंजीकरण के समय संलग्न करना अनिवार्य है।

2. कार्यशाला में भाग लेने हेतु प्रधानाध्यापकों / प्रधानाध्यापिकाओं / प्रधानाचार्यो और माध्यमिक / उच्च / उच्चतर माध्यमिक अध्यापकों को प्रतिनियुक्त न किया जाए।

3. आपके रिकार्ड के अनुसार जिन अध्यापकों ने सीसीआरटी द्वारा 'शिक्षा हेतु पुतली कला पाठ्यक्रम' / 'शिक्षा में पुतलीकला की भूमिका' विषय पर आयोजित कार्यशाला में पहले भाग लिया है, उन्हें इस कार्यशाला में पुनः प्रतिनियुक्त नहीं किया जाए।

4. कार्यशाला में अनुबन्ध या अस्थाई आधार जैसे–शिक्षा कर्मी, शिक्षा बंधु, शिक्षा मित्र, संविधा शिक्षक आदि के रूप में कार्यरत् अध्यापकों को प्रतिनियुक्त न करें।

5. देश के सभी भागों से कार्यशाला में भाग लेने आए प्रतिभागियों के लाभार्थ व्याख्यान अंग्रेजी में दिए जाऐगे, अतः प्रतिभागी को अंग्रेजी भाषा की समझ और ज्ञान का होना आवश्यक है।

6. चूकिं कार्य के घंटे (समय) अधिक होंगे और कार्यशाला शिविर जैसे वातावरण में आयोजित की जाएगी, इस कारण सभी अध्यापकों का पूर्णतः स्वस्थ होना आवश्यक है।

7. किसी भी परिस्थिति में कार्यशाला में प्रतिनियुक्ति होने वाले अध्यापक अपने साथ कोई संरक्षक / परिवार का सदस्य लेकर न आएं।

8. कार्यशाला में केवल एक स्कूल से एक ही अध्यापक को प्रतिनियुक्त किया जाए।

9 आपके द्वारा जारी प्रतिनियुक्ति आदेशों को ही अन्तिम माना जाएगा तथा सीसीआरटी किसी को व्यक्तिगत चयन पत्र जारी नहीं करेगा। प्रतिनियुक्त अध्यापक द्वारा प्रकट की गई शंका का समाधान सीसीआरटी द्वारा अवश्य किया जाएगा।

10. सीसीआरटी के साथ पत्रव्यवहार हेतु पत्र की संदर्भ संख्या और दिनांक का उल्लेख अवश्य किया जाना चाहिए।

कार्यशाला के प्रथम दिन पंजीकरण हेतु और कार्यशाला के अंतिम दिन यात्रा / दैनिक भत्ता की प्राप्ति हेतु कार्यशाला में भाग लेने आए अध्यापक अलग–अलग कागजों पर निम्नलिखित प्रमाण–पत्र लेकर आएं:

1. जन्मतिथि का प्रमाण पत्र
2. स्कूल से कार्यमुक्ति प्रमाण–प्रत्र
3. मूल वेतन प्रमाण–पत्र
4. पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ (दो)।

चूंकि यह विभिन्न राज्यों से आने वाले अध्यापकों के लिए एक साथ रहने, एक दूसरे के साथ अनुभवों का आदान–प्रदान करने और एक साथ कार्य करने का अच्छा अवसर होगा, अतः यदि संभव हो तो कार्यशाला में भाग लेने वाले अध्यापक अपने राज्य / संघ शासित प्रदेश की परम्परागत पुतलियां अवश्य साथ लेकर आएं, जिन्हें कार्यशाला के पश्चात् वापस दे दिया जाएगा।

कार्यशाला में भाग लेने वाले अध्यापकों को अपना सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया जाएगा। अतः उनसे अनुरोध है कि वे अपने साथ वेशभूषाएं, लोक गीतों, नृत्यों के रंग पटल और सांस्कृतिक महत्व की ऐसी वस्तुएं लेकर आएं, जिन्हें कार्यशाला के दौरान अन्य राज्य / संघ शासित प्रदेशों से आए अपने साथियों के समक्ष प्रस्तुत करना चाहते हैं।

चूंकि कम समय में सुनिश्चित वापिसी टिकट मिलना कठिन हो जाता है, अतः कार्यशाला में भाग लेने वाले अध्यापकों को हम यह भी सुझाव देना चाहेंगे कि वे अपने प्रमुख स्थान से अपना वापिसी आरक्षण करवाएं।

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
NEW DELHI

The following points may please be noted while deputing the teachers for the Workshop on "Role of Puppetry in Education"

1. *The Workshop is for in-service Govt./Govt. aided school teachers teaching classes I to V below the age of 52 years (It is essential to give proof of Date of Birth at the time of Registration).*

2. *Headmaster/Headmistress/ Principals of school should not be deputed for participation in the Workshop.*

3. *Those teachers who have already attended a course on "Puppetry in Education"/Workshop on "Role of Puppetry in Education" organized by the CCRT as per your record should not be deputed again for the same Workshop.*

4. *No Contractual or Temporary Teachers like Shiksha-Karmi, Shiksha-Bandhu, Shiksha-Mitr, Education Friend, Teacher Facilitator, Sanvidha Shikshak, etc. should be deputed.*

5. *The lectures will be delivered in English for the benefit of the teachers participating from all parts of the country. Therefore, an understanding and working knowledge of English is essential.*

6. *As the working hours will be long and the workshop will be held in a camp atmosphere, teachers should be in good health.*

7. *The deputed teachers may be asked not to bring any escort/family member with them under any circumstance.*

8. *Only one teacher should be deputed for participation from one school at a time in a Workshop.*

9. *Your deputation order will be treated as a final order and the CCRT will not issue any selection letter to individuals.*

10. *For correspondence with the CCRT our letter reference number and date must be quoted.*

For registration on the first day of the Workshop and for payment of TA/DA on the last day of the Workshop, the deputed teachers must bring the following certificates on separate sheets of paper:-

i) Date of Birth Certificate
ii) Relieving Certificate from the School
iii) Basic Pay Certificate
iv) Two passport size photographs

As this will be a good opportunity for deputed teachers from different States/UTs to stay together, interact with each other and share a common platform, they should bring some of the traditional puppets of their region if possible, which will be returned to them after the Workshop.

The participating teachers will also be given an opportunity to present their regional cultural programme. Hence the deputed teachers may also be requested to bring costumes, repertoire of folk songs, dances and other important items of cultural value which they would like to share with their colleagues from other States/UT's during the Workshop.

Since it is difficult to get the confirmed return reservation in a short time, we would like to suggest that the deputed teachers make their "return reservation" from their headquarters beforehand.

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING
NEW DELHI
BRIEF NOTE

Workshop on "ROLE OF PUPPETRY IN EDUCATION"

Puppetry has played an important role in disseminating knowledge in most parts of the world. Puppetry imbibes elements of all art forms such as literature, painting, sculpture, music, dance, drama, and enables students to develop their creative abilities. Puppetry has been used traditionally in India as a popular and an inexpensive medium to transmit knowledge about Indian myths and legends.

Since Puppetry is a dynamic art form that appeals to all age groups, this medium of communication has been selected to serve as an aid for imparting education in schools. The CCRT provides a comprehensive and an integrated training in the preparation, manipulation and production of such puppet programmes which may be used in a variety of formal and non-formal teaching situations. The Workshop on "Role of Puppetry in Education" is organized for the in-service primary school teachers from all parts of the country throughout the year. It is approximately of 15-16 days duration.

Objectives:

- to introduce Puppetry as an aid to education,
- to teach preparation and manipulation of glove, shadow, rod, string and other puppets, out of low cost material & easy to use in classroom situation,
- to prepare educational scripts and programmes for teaching curriculum subjects through puppetry and to study the impact of training for evaluation,
- to enable teachers to acquire knowledge about traditional puppet theatre forms of India and to provide them with an opportunity to interact with traditional puppeteers,
- to encourage teachers to improvise inexpensive teaching aids and to make creative activities for students an integral part of classroom teaching.

To achieve the above mentioned aims, the training program is divided into four parts :-

: Preparation of various types of puppets and their manipulation techniques,
: Preparation of educational scripts,
: Practical training in allied arts like story-telling, role play, voice modulation/speech, mime and movement, music and its improvisation,
: Production and presentation of educational programmes for school students with practical experience through interactive session.

Introductory lecture sessions on "Concept of Puppets and Script Writing" are very important for the success of the Workshop. A good educational message is the core of the puppet play. Great emphasis is given to the writing of the script for puppet plays. Suitable themes for puppet plays are suggested according to the target audience and few good stories are selected after the discussion sessions on stories developed by the participants.

Traditional artists from different parts of the country are invited from time to time to acquaint the teachers with regional traditional forms of puppetry. Lecture-demonstrations on Traditional Puppet Theatre of India are organized for the participants to introduce the different styles of puppet theatre in the country. Participants are taught to make and manipulate simple paper puppets like finger puppets, masks and paper rod puppets.

The participants are informed that the Workshop aims at production of simple puppets out of easily available and waste materials to convey educational concepts and create awareness of social issues in the classroom.

Manipulation of all these puppets is taught after each practical session. Teachers learn to produce educational puppet programmes with the help of these different kinds of puppets.

Educational visits to places of historical importance and museums are organized.

Sessions on folk music/music for theatre are also organized.

Resource material on puppetry using modern technology developed by the Centre will be used from time to time.

A few CCRT Educational Publications with Audio-CD's and a 'Puppetry Kit' are gifted to the school through the participating teacher after successful completion of the said Workshop.